बिहार विधान सभा वादवृत्त

शुक्रवार, तिथि १४ अप्रिल, १९५०

विषय सूची

	पृष्ठ
तारांकित प्रश्नोत्तर	... १–९८
सभी की बैठकों से अनुपस्थित रहने के लिये श्री मुनीन्द्रनाथ मुखर्जी का आवेदन	... ९९
विधान कार्य : गैरसरकारी विधेयक:	... ९९
बिहार टेनेन्सी (अमेन्डमेन्ट) बिल, १९५०	
[१९५० का वि० स० १८]—(पुरःस्थापित हुआ)	... ९९
बिहार गोशाला बिल, १९४७	
[विधान परिषद द्वारा यथास्वीकृत]—(स्थगित हुआ)	... १००–१०५
बिहार डावरी रेसट्रेन्ट बिल, १९४८	
[१९४८ का वि० स० १२] (स्वीकृत)	... १०६–१४०
गैर सरकारी संकल्प :	... १४०
गंडक योजना (क्रमशः)	... १४०–१४१

१९४८ से १९४९ तक माइनर इरीगेशन

१७६ । श्री अमिय कुमार घोष :

क्या माननीय राजस्व मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) अप्रैल, १९४८ से लेकर जून, १९४९ तक प्रांत में जिलेवार माइनर इरीगेशन पर कितने रुपये व्यय हुए;

(ख) उपरोक्त योजनाओं से जिलेवार कितनी जमीन की सिंचाई की आशा की जाती है ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय :

(क) और (ख) उत्तर नीचे दी हुई तालिका में सन्निहित है ।

जिले का नाम ।	१ अप्रैल, १९४८ से ३० जून, १९४८ तक खर्च ।	औसतन कितनी जमीन पड़ेगी ।
	रु०	(एकड़)
पटना	९,८९,५०७	२२६,४४७
गया	११,८६,०४३	२५५,६४९
शाहाबाद	६,०९,८२३	७२,००२
सारन	५,०८,४५६	५६,९१४
चम्पारण	४,०८,०७८	१३६,७०९
मुजफ्फरपुर	१,८४,२३६	१५,८३०
दरभंगा	३,९४३२७	३६१,२७०
भागलपुर	५,२४,५९२	१४,८५०
मुंगेर	६,७०,५७८	९०,६००
पूर्णिया	८,१४,३५८	४३२,०२३
संतालपरगना	६,९२,७५३	५०,९८८
रांची	७,५८,११९	८१,८९७
पलामू	६,८७,५८०	३८,५४७
हजारीबाग	१०,८७,३८५	५०,०००
मानभूम	५,१४,२०५	१३,८७१
धनबाद	४०६,९९६	१९,६४०
सिंघभूम	७,१६,४१९	४५,०००
टोटल	१,११,५५,४५५	७१२,२३७

नाकाहासा गांव के प्लाट नं० १८ की बन्दोबस्ती

१७७ । श्री सिदिउ हेमब्रोम :

क्या माननीय मन्त्री, राजस्व विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि सिंहभूमि जिले के कोल्हान थाने के नाकाहासा गांव के प्लाट नं० १८ परती जमीन को बन्दोबस्त १६४६ साल में गांव के दो प्रजाओं के साथ हुआ है;

(ख) क्या यह बात सही है कि इसी परती जमीन को कोल्हान आफिस फिर से दूसरे के साथ बन्दोबस्त कर रही है और यदि यह सच है तो क्या कोल्हान साहेब बहादुर किसी के साथ बन्दोबस्त करना चाहते हैं ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय :

(क) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(ख) यह जमीन एक मानकी के रिपोर्ट पर दो रैयतों के साथ बन्दोबस्त हुई थी । गांवके मुण्डाने उन रैयतों के साथ इस बन्दोबस्ती का विरोध किया । कोल्हान के सुपरिन्टेन्डेन्ट ने खुद सहर जमीन पर जाकर दोनों दलों के सामने इसकी जांच की और पहली बन्दोबस्ती को रद्द करके उसी गांव का वासिन्दा एक रैयत शम्भू तांती के साथ उस जमीन को बन्दोबस्त करने का आर्डर दिया । उक्त जमीन एक छोटी पहाड़ी का भाग है और खेती के उपयुक्त नहीं है । शम्भू तांती उस जमीन पर रहने के लिए एक घर बना रहा है क्योंकि जिस जमीन पर उसका पहिला घर है वह बहुत छोटी है ।

दलसिंगसराय का सब-रजिस्ट्रार

१७८ । श्री सुन्दर महतो पासी :

क्या माननीय राजस्व मंत्री गत अधिवेशन के प्रश्न नं० १०४ के दिये गये उत्तर के आधार पर यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) दलसिंगसराय के सब-रजिस्ट्रार के विरुद्ध दर्खास्त की जांच पड़ताल कितने दिनों से हो रही है और कितने दिनों तक और होगी;

(ख) क्या यह बात सही है कि वहां के सब रजिस्ट्रार के व्यवहार से वहां की जनता अत्यन्त असंतुष्ट है ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय :

(क) और (ख) सब रजिस्ट्रार के विरुद्ध की गयी शिकायतों की जांच की गयी है और इसके फलस्वरूप उसके विरुद्ध विभागीय कारवाई की गई है । स्थानीय जांच-पड़ताल के बाद कलक्टर ने गत जनवरी में जांच के निष्कर्ष पर एक रिपोर्ट दी है । सब-रजिस्ट्रार पर लगाए गये अभियोग साबित नहीं हुए । जो कुछ हो दलसिंगसराय से उसकी बदली कर दी गई है ।